ड्रग थेरेपी

के संस्करण 2016

1. एन एस ए आई डी (नॉन स्टेरायडल एंटी इंफ्लेमेटरी दवाएँ)

1.1 विवरण

NSAID समान्यता बच्चों के गठिया संबंधी रोगों का मुख्य इलाज है। इसकी भूमिका मुख्य है। यह मुख्य रूप से लाक्षणिक जैसे सूजन दर्द व् बुखार को कम करने वाली दवाएँ हों। ये दवाएँ बीमारी को ठीक नहीं करती तथा उसके विकास को रोक नहीं सकती जैसे कि बड़ों में होने वाले गठिया रोग में बताया गया है लेकिन ये बीमारी के लक्षणों को कम करती है।
ये दवाएँ मुख्य रूप से एक एंन्जाइम को रोकती है जो सूजन पैदा करने वाले पदार्थ (प्रोस्टाग्लेंडिन) को बनाने के लिए जरूरी है। ये पदार्थ शरीर की क्रियाओं जैसे पेट की सुरक्षा व् गुर्दों में खून के बहाव का नियंत्रण करते है। इन प्रभावों से, NSAID दवाओं के बुरे प्रभावों की पुष्टि होती है। पहले एस्पिरिन सबसे अधिक उपयोग में ली जाने वाली दवा थी क्योंकि यह सस्ती और प्रभावी है लेकिन इसके बुरे प्रभवों की वजह से इसका उपयोग कम हो गया है। सबसे अधिक उपयोग की जाने वाली NSAID दवाएँ नेप्रोक्सेन, इबुप्रोफेन तथा इंडोमेथासिन है।
आजकल कुछ नई NSAID दवाएँ उपलब्ध हैं जिन्हे साइक्लोऑक्सीजनेज (कॉक्स-२) इनहिबिटर कहते है। लेकिन बच्चों में इनके उपयोग की जानकारी सीमित है। meloxicam तथा celecoxib. इसलिए ये दवाएँ बच्चों में अधिक उपयोग नहीं की जाती है। इन दवाओं से पेट संबंधित बुरे प्रभाव कम होते है और ये दूसरी दवाओं के बराबर प्रभावी है। कॉक्स-2 इन्हीबिटर, NSAIDs की तुलना में अधिक महँगी है तथा इनकी सुरक्षा और प्रभाव से संबंधित अधिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। बच्चों में इन दवाओं के उपयोग सीमित है। meloxicom तथा celecoxib बच्चों में सुरक्षित पाई गई है। अलग अलग NSAIDs दवाओं के प्रभाव अलग अलग देखे गए है।

1.2 खुराक / दवा देने के तरीके

एक NSAID, दवा को उसके प्रभाव को मापने के लिए कम से कम ५ से ६ हफ्ते देना जरूरी है। चूँकि NSAID बीमारी के कोर्स को बदलने वाली दवाएं नहीं है, इनका उपयोग दर्द, जकड़न तथा बुखार को ठीक करने में किया जाता है। इन दवाओं को पिने की दवा या गोली के रूप में

लिया जा सकता है।
सिर्फ कुछ NSAID दवाएँ बच्चों में उपयोग के लिए मंजूर की गई है जैसे नेप्रोक्सिन, इबुप्रोफेन, इंडोमेथेसिन, मेलोक्सिकाम तथा सेलकोक्सीब।

नेप्रोक्सिन

नेप्रोक्सिन को १०-२० मिग्रा / किग्रा / प्रतिदिन, १२ घंटों के अंतर पर देना चाहिए।

आइबूप्रोफेन

आइबूप्रोफेन ६ माह से १२ माह की उम्र के बच्चों को ३०-४० मिग्रा / किग्रा प्रतिदिन ३ से ५ खुराकों में दिया जाता है। बच्चों को समान्यता कम डोज से दवा शुरू की जाती है और धीर धीरे डोज को बढ़ाया जाता है। कम तीव्रता की बीमारी में डोज २० मिग्रा / किग्रा प्रतिदिन दिया जाता है। ४०मिग्रा / किग्रा / प्रतिदिन से अधिक खुराक उचित नहीं है। अधिकतम खुराक २.५ ग्रा / प्रतिदिन है।

इंडोमेथासिन

इस दवा को २ से १४ साल की उम्र के बच्चों को २-३ मिग्रा / किग्रा / प्रतिदिन के डोज में दिया जाता है। अधिकतम डोज ५ मिग्रा / की ग्रा / प्रतिदिन अथवा २०० मिग्रा प्रतिदिन तक दिया जा सकता है। इस दवा को खाने के साथ देना चाहिए, जिससे पेट की तकलीफ कम होती है।

मेलोक्सिकाम

यह दवा २ वर्ष या उससे अधिक उम्र के बच्चों में ०.१२५ मिग्रा / किग्रा / प्रतिदिन एक खुराक में दी जाती है अधिकतम डोज ७.५ मिग्रा प्रतिदिन है। ०.१२५ मिग्रा / किग्रा से अधिक डोज के कोई अतिरिक्त फायदे नहीं देखे गये है।

सेलकोक्सीब

दवा २ साल या उससे अधिक उम्र के बच्चों में दी जाती है।१०-२५ किग्रा - 50मिग्रा प्रतिदिन दो खुराक > 25 किग्रा - 100मिग्रा प्रतिदिन, दो खुराक
NSAID दवाओं के आपस में एक दूसरे को प्रभवित नहीं करती हैं।

1.3 दुष्प्रभाव

सामान्यत: NSAID दवाएँ कोई समस्या पैदा नहीं करती है तथा इनके दुष्प्रभाव बड़ों की तुलना बच्चों में कम होते है। पेट की तकलीफ सबसे आम दुष्प्रभाव है। इसके लक्षण हलके पेट दर्द से लेकर गंभीर पेट दर्द तथा रक्तस्त्राव हो सकता है जिससे गहरे रंग का संडास होता है। इसलिए बच्चों को दवा हमेशा खाने के साथ लेने की सलाह दी जाती है। एन्टासिड, एच-2 ब्लोकर, मीसोप्रीस्टोल1 तथा PPI जैसी दवाओं का उपयोग NSAID से होने वाले पेट संबंधी गंभीर दुष्प्रभावों से बचाने में स्पष्ट नहीं हैं। लीवर पर होने वाले बुरे प्रभाव से लिवर एंजाइम बढ़ सकते है, लेकिन इसका अधिक महत्त्व नहीं है, सिवाय एस्प्रीन के।
गुर्दा संबंधी समस्या काफी दुर्लभ है और सिर्फ उनमे होती है जिन बच्चों में पहलेसे किडनी, लीवर या दिल की कोई खराबी होती है।
सिस्टमिक जे. आए. ए. के मरीजों में NSAID से मैक्रोफेज एक्टिवेशन सिंड्रोम हो सकता है जो कि शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र के गंभीर रूप से सक्रिय होने की वजह से होता है।
NSAIDs खून के जमने को प्रभावित करता है लेकिन इसका अधिक महत्त्व नहीं है सिवाय उन

बच्चों के जिनमे पहले से ही खून न जमने की खराबी होती हैं। एस्प्रीन से खून जमने की समस्याएँ अधिक होती है। इसलिए इसका उपयोग उन बीमारियों में किया जाता है जहाँ खून जमने का खतरा अधिक होता है; इन मामलों में एस्प्रीन कम खुराक में दी जाती है। इंडोमेथासिन सिस्टेमिक जे आए ए में बुखार के नियंत्रण में उपयोगी है।

1.4 मुख्य बाल गठिया संबंधी रोग जिनमे ये दवाएँ उपयोगी है :

NSAID दवाएँ ज्यादतर सभी बाल गठिया संबंधी रोगों में उपयोगी है।

">http://labels.fda.gov http://labels.fda.gov